प्रदर्शन कला(संगीत) में स्नातकोत्तर /Master of Performing Arts(Music) एम0पी0ए0(संगीत) की पाठ्यक्रम परियोजना आख्या

1.कार्यक्रम का मिशन और उद्देश्य–दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का मुख्य मिशन और उद्देश्य उस विशिष्ट वर्ग विशेषकर कमजोर वर्ग, जो दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्र में रहता है, व्यस्कों, गृहणियों तथा नौकरीपेशा लोगों तक शिक्षा(उच्च शिक्षा) पहुँचाना है जो सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं अन्य कारणों से शिक्षा(उच्च शिक्षा) से वंचित हैं या बीच में हीशिक्षा छोड़ चुके हैं। शिक्षा की यह पद्धति पेशेवर लोगों को उनके अपने ज्ञान को अघतनकरने, नए व्यवसाय और विषयों का चुनाव करने में सक्षम बनाती है तथा साथ ही उनको आजीविका (Career) में उन्नति के लिए योग्यता बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करती है। संगीत के इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य हैं :-

- संगीत विषय की विविध विधाओं तथा शास्त्र का सघन ज्ञानार्जन द्वारा विशेषज्ञता हासिल करना।
- संगीत की उच्च शिक्षा में बेहतर सम्भावनाओं की तलाश और उसके आधार पर शिक्षक, शोधकर्ता तथा कलाकार के रूप में उपयोगी भूमिका का निर्वाह।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में विषय दक्षता एवं विषय के ज्ञान के आधार पर सफलता का सूत्रपात।

2.उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों के मिशन और लक्ष्य के साथ कार्यक्रमों की प्रासंगिकता–आज के समय में शिक्षार्थी ज्ञान प्राप्त करना चाहता है चाहे उसका माध्यम कुछ भी हो। इस परिदृश्य में दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण प्रणाली लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अत्यधिक उपयोगी साबित हो रही है। दूरस्थ शिक्षण प्रणाली की प्रमुख विशेषता यह है कि यह समयबद्ध व स्थानबद्ध नहीं है। संगीत विषय एक पारंपरिक विषय के रूप में विकसित हुआ है और जिसका ज्ञान गुरू-शिष्य परंपरा के अंतर्गत दिया जाता रहा। इस कारण संगीत विषय सर्वसुलभ नहीं हो पाया और इससे कई संगीत जिज्ञासु इस ज्ञान से वंचित हो जाते थे। संस्थागत शिक्षण प्रणाली के आने से संगीत विषय की उपलब्धता में थोडा बदलाव आया किन्तु उम्र, देश,काल एवं विभिन्न कारणों से संस्थागत शिक्षण प्रणाली भी उतनी लोकप्रिय नहीं हो पाई।ऐसे में संगीत सीखने के इच्छुक विद्यार्थियों को दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण प्रणाली के घटकों सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों (जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट,यू-ट्यूब,मोबाईल,स्काईप, वेबसाइट आदि) एवं संचार माध्यमों से सीखने का एक नवीन माध्यमप्राप्त हुआ है जो उनकी सुविधानुरूपभी है एवं अन्य शिक्षण प्रणाली की अपेक्षा सर्वसुलभ भी।

3. शिक्षार्थियों के भावी लक्ष्य समूह की प्रकृति–संगीत का यह पाठ्यक्रम उन शिक्षार्थियों को केन्द्र में रखकर विकसित किया गया है जो संगीत के क्षेत्र में शिक्षक, शोधकर्ता,कलाकार के रूप मेंतथा अन्य संबंधित क्षेत्र में अपने को स्थापित करना चाहते हैं किन्तुसामाजिक,आर्थिक, भौगोलिक एवं अन्य कारणों से संगीत की उच्च शिक्षा से वंचित हैं या बीच में हीसंगीत शिक्षा छोड़ चुके हैं। संगीत सीखने के इच्छुक शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम से संबंधित स्व-अध्ययन पाठ्य सामग्री,दृश्य एवं श्रृव्यव्याख्यान,परामर्श सत्रों, कार्यशालाओं,सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों(जैसे

Scanned by Scanner Go

	एम0पी0ए0एम0वी0-506					
3.	प्रयोगात्मक – 3 एम0पी0ए0एम0वी0-507	04	200	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	"
4.	प्रयोगात्मक – 4 एम0पी0ए0एम0वी0-508	07	350	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	"
	संगीत(गायन) तृतीयसेमेस्टर पाठ्यक्रम					
1.	संगीत शास्त्र **I** एम0पी0ए0एम0-601	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	"
2.	गायन-रागों और तालों का अध्ययनIII एम0पी0ए0एम0वी0-602	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	"
3.	प्रयोगात्मक – 5 एम0पी0ए0एम0वी0-603	04	200	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	"
4.	प्रयोगात्मक – 6 एम0पी0ए0एम0वी0-604	07	350	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	"
	संगीत(गायन) चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम					
1.	संगीत शास्त्र **II** एम0पी0ए0एम0-605	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	"
2.	गायन-रागों और तालों का अध्ययनIV एम0पी0ए0एम0वी0-606	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	"
3.	प्रयोगात्मक – 7 एम0पी0ए0एम0वी0-607	04	200	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	"
4.	प्रयोगात्मक – 8 एम0पी0ए0एम0वी0-608	07	350	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	"
	संगीत(स्वरवाद्य) प्रथम सेमेस्टर का पाठ्यक्रम					
क्रम.	**प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड**	**श्रेयांक**	**अंक**	**समयावधि**		**पाठ्यक्रम वितरण माध्यम**
				न्यूनतम	**अधिकतम**	
1.	संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र **I** एम0पी0ए0एम0-501	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	स्वअध्ययन सामग्री, ऑडियो-वीडियोव्याख्यान,ऑनलाइनपाठ्य सामग्री
2.	स्वरवाद्य-रागों और तालों का अध्ययन I एम0पी0ए0एम0आई0-502	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	"
3.	प्रयोगात्मक – 1	04	200	02वर्ष(04	06 वर्ष	"

Scanned by Scanner Go

	एम0पी0ए0एम0आई0-503			सेम)		
4.	प्रयोगात्मक – 2 एम0पी0ए0एम0आई0-504	07	350	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
संगीत(स्वरवाद्य) द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम						
1.	संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र **II** एम0पी0ए0एम0-505	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
2.	स्वरवाद्य-रागों और तालों का अध्ययन II एम0पी0ए0एम0आई0-506	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
3.	प्रयोगात्मक – 3 एम0पी0ए0एम0आई0-507	04	200	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
4.	प्रयोगात्मक – 4 एम0पी0ए0एम0आई0-508	07	350	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
संगीत(स्वरवाद्य) तृतीयसेमेस्टर पाठ्यक्रम						
1.	संगीत शास्त्र **I** एम0पी0ए0एम0-601	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
2.	स्वरवाद्य-रागों और तालों का अध्ययन III एम0पी0ए0एम0आई0-602	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
3.	प्रयोगात्मक – 5 एम0पी0ए0एम0आई0-603	04	200	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
4.	प्रयोगात्मक – 6 एम0पी0ए0एम0आई0-604	07	350	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
संगीत(स्वरवाद्य) चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम						
1.	संगीत शास्त्र **II** एम0पी0ए0एम0-605	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
2.	स्वरवाद्य-रागों और तालों का अध्ययन IV एम0पी0ए0एम0आई0-606	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
3.	प्रयोगात्मक – 7 एम0पी0ए0एम0आई0-607	04	200	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
4.	प्रयोगात्मक – 8 एम0पी0ए0एम0आई0-608	07	350	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,

Scanned by Scanner Go

संगीत(तबला) प्रथम सेमेस्टर का पाठ्यक्रम						
क्रम.	प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड	श्रेयांक	अंक	समयावधि		पाठ्यक्रम वितरण माध्यम
				न्यूनतम	अधिकतम	
1.	संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र I एम0पी0ए0एम0-501	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	स्वअध्ययन सामग्री, ऑडियो-वीडियोव्याख्यान,ऑनलाइनपाठ्य सामग्री
2.	तालों का अध्ययन I एम0पी0ए0एम0टी0-502	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
3.	प्रयोगात्मक – 1 एम0पी0ए0एम0टी0-503	04	200	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
4.	प्रयोगात्मक – 2 एम0पी0ए0एम0टी0-504	07	350	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
संगीत(तबला) द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम						
1.	संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र II एम0पी0ए0एम0-505	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
2.	तालों का अध्ययन II एम0पी0ए0एम0टी0-506	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
3.	प्रयोगात्मक – 3 एम0पी0ए0एम0टी0-507	04	200	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
4.	प्रयोगात्मक – 4 एम0पी0ए0एम0टी0-508	07	350	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
संगीत(तबला) तृतीयसेमेस्टर पाठ्यक्रम						
1.	ताल शास्त्र I एम0पी0ए0एम0टी0-601	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
2.	तालों का अध्ययनIII एम0पी0ए0एम0टी0-602	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
3.	प्रयोगात्मक – 5 एम0पी0ए0एम0टी0-603	04	200	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
4.	प्रयोगात्मक – 6 एम0पी0ए0एम0टी0-604	07	350	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
संगीत(तबला) चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम						
1.	ताल शास्त्र II एम0पी0ए0एम0टी0-605	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
2.	तालों का अध्ययनIV एम0पी0ए0एम0टी0-606	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,

Scanned by Scanner Go

संगीत(तबला) प्रथम सेमेस्टर का पाठ्यक्रम						
क्रम.	प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड	श्रेयांक	अंक	समयावधि		पाठ्यक्रम वितरण माध्यम
				न्यूनतम	अधिकतम	
1.	संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र I एम0पी0ए0एम0-501	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	स्वअध्ययन सामग्री, ऑडियो-वीडियोव्याख्यान,ऑनलाइनपाठ्य सामग्री
2.	तालों का अध्ययन I एम0पी0ए0एम0टी0-502	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
3.	प्रयोगात्मक – 1 एम0पी0ए0एम0टी0-503	04	200	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
4.	प्रयोगात्मक – 2 एम0पी0ए0एम0टी0-504	07	350	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
संगीत(तबला) द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम						
1.	संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र II एम0पी0ए0एम0-505	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
2.	तालों का अध्ययन II एम0पी0ए0एम0टी0-506	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
3.	प्रयोगात्मक – 3 एम0पी0ए0एम0टी0-507	04	200	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
4.	प्रयोगात्मक – 4 एम0पी0ए0एम0टी0-508	07	350	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
संगीत(तबला) तृतीयसेमेस्टर पाठ्यक्रम						
1.	ताल शास्त्र I एम0पी0ए0एम0टी0-601	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
2.	तालों का अध्ययनIII एम0पी0ए0एम0टी0-602	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
3.	प्रयोगात्मक – 5 एम0पी0ए0एम0टी0-603	04	200	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
4.	प्रयोगात्मक – 6 एम0पी0ए0एम0टी0-604	07	350	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
संगीत(तबला) चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम						
1.	ताल शास्त्र II एम0पी0ए0एम0टी0-605	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
2.	तालों का अध्ययनIV एम0पी0ए0एम0टी0-606	02	100	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,

Scanned by Scanner Go

3.	प्रयोगात्मक – 7 एम0पी0ए0एम0टी0-607	04	200	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,
4.	प्रयोगात्मक – 8 एम0पी0ए0एम0टी0-608	07	350	02वर्ष(04 सेम)	06 वर्ष	,,

उक्तपाठ्यक्रम के संचालन हेतु न्यूनतम 3 शिक्षक एवं 2 शिक्षणेत्तर कर्मचारी (संगतकर्ता) की आवश्यकता होगी।

6. प्रवेश, पाठ्यक्रम कार्य संपादन औरमूल्यांकन के लिए प्रक्रिया–

क.प्रवेश योग्यता-बी0ए0 [संगीत विषय की संबंधित विधा(जैसेगायन,स्वरवाद्य और तबला आदि) केसाथ] या बी0एस0सी0/बी0 कॉम0/बी0ए0(संगीत विषय केबिना)/स्नातक डिग्रीके समकक्ष कोई उपाधि के स्नातक स्तर के समकक्ष डिप्लोमा (जैसेभात्तखंडे संगीत विद्यापीठ लखनऊ का संगीत विशारद/ प्रयाग संगीतसमिति इलाहाबाद का संगीत प्रभाकर/ अखील भारतीय गन्धर्वमहाविद्यालय मडंलमबुंई का संगीत विशारदआदि) संगीत विषय की संबंधितविधा(जैसेगायन,स्वरवाद्यतबला आदि में)

पाठ्यक्रमअवधि - 2 वर्ष (04 सेमेस्टर)से 6 वर्ष

पाठ्यक्रम माध्यम - हिन्दी

पाठ्यक्रम श्रेयांक - कुल 60 (30 प्रति वर्ष/15 प्रति सेमेस्टर)

शुल्क संरचना -

वर्ष	पाठ्यक्रम शुल्क	परीक्षा शुल्क				कुल
		सैद्धान्तिक परीक्षा	प्रयोगात्मक परीक्षा	कार्यशाला	अन्य	
I सेमेस्टर	2500	500	1000	1000	150	5150
II सेमेस्टर	2500	500	1000	1000		5000
IIIसेमेस्टर	2500	500	1000	1000		5000
IVसेमेस्टर	2500	500	1000	1000	500	5500
कुल	10000	2000	4000	4000	650	20650

ख. पाठ्यक्रम कार्य संपादन–संगीत संबंधित पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केवल उन्हींअध्ययनकेन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर संगीत विषय के शिक्षक, संगीत के वाद्य यंत्र तथा अन्य संगीत विषय संबंधित सामग्री उपलब्ध हो। संगीत केशास्त्र पक्ष हेतु शिक्षार्थियों को स्व-अध्ययनपाठ्य सामग्री मुद्रित रूप में दी जाएगी। दृश्य एवं श्रृव्यव्याख्यान भी उपलब्ध कराएं जाऐंगे जिनकी सहायता से शिक्षार्थी विषय को सूक्षमता एवं गहनता से समझ सकने में सक्षम हो। इसके साथ-साथ शिक्षार्थियों को सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न उपकरणों एवं माध्यमों से भी विषय

Scanned by Scanner Go

को समझाने का प्रयास किया जाएगा। शिक्षार्थियों की समस्याओं के निराकरण हेतु परामर्श सत्रों का आयोजन किया जाएगा एवं प्रत्येकसेमेस्टर में कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाएंगी।

ग. मूल्यांकन के लिए प्रक्रिया– शिक्षार्थियों के मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मूल्यांकन की तीन प्रणालीयोंसत्रीय कार्य,सैद्धान्तिक परीक्षाएवं प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजनकिया जाएगा। इसके साथ ही साथ परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से भी मूल्यांकन का कार्य किया जाएगा।

7. प्रयोगशाला सहायता और पुस्तकालय संसाधनों की सहायता–संगीत विषय केवल उन्हींअध्ययनकेन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर संगीत विषय के शिक्षक, संगीत के वाद्य यंत्र तथा अन्यसंगीत विषय संबंधित सामग्री उपलब्धहो। अध्ययनकेन्द्रों में परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षार्थियों को संगीत विषय के सैद्धान्तिक पक्ष के साथ-साथप्रयोगात्मक पक्ष का भी ज्ञान दिया जाएगा। इसके साथ ही साथ शिक्षार्थियों के लिए पुस्तकालय की भी व्यवस्थाहोगी जहाँ वह संगीत के विभिन्न पक्षों का स्वाध्याय के माध्यम से भी ज्ञान प्राप्तकिया जा सके।

8. पाठ्यक्रम और प्रावधानों का लागत अनुमान–

अ)इकाई लेखन	-	रू0 350000/-
ब) इकाई संपादन	-	रू0 175000/-
स) इकाई टंकण	-	रू028000/-
द)कुल	-	रू0553000/-

9. गुणवत्ताआश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम–संगीत विषय के इस पाठ्यक्रम के भविष्यगामी परिणाम निम्नलिखित होंगे :-

- शिक्षार्थी संगीत विषय की विविध विधाओं तथा शास्त्र की समुचित विशेषज्ञता हासिल कर सकेंगे।
- शिक्षार्थी संगीत विषय के अंतर्गत विद्यालयों एवं संस्थाओं में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे।
- शिक्षार्थी कलाकार के रूप में भी अपने को स्थापित कर सकेंगे।
- शिक्षार्थी संगीत को स्वरोजगार(संगीत विद्यालय) के रूप में अपनाकर आर्थिक रूप से सक्षम हो सकेंगे।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में विषय दक्षता एवं विषय के ज्ञान के आधार पर सफलता का सूत्रपात।

स्व-अध्ययनपाठ्यसामग्री के परिवर्द्धन–संवर्धन हेतु समय-समय पर विषय वस्तु की समीक्षा की जाएगी तथा विषय को अधुनातन रूप में परखा जाएगा।इच्छुक विद्यार्थियों के लिए पाठयक्रम का निरन्तर प्रसार-प्रचार किया जाएगा

Scanned by Scanner Go